भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †75

सोमवार, 22 जुलाई, 2024/31 आषाढ़, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

आंध्र प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना

†75. **श्री पी. वी मिधुन रेड्डी:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा आंध्र प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है;

(ख) इस संबंध में अब तक हुई प्रगति की स्थिति क्या है;

(ग) उक्त राज्य में स्वेदश दर्शन योजना के अंतर्गत शामिल स्थलों की संख्या और ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा इन स्थलों के विकास के लिए किए गए/किए जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय ने वर्ष 2014-15 में देश भर में पहले से चिह्नित धार्मिक और विरासत स्थलों पर अवसंरचना विकास के उद्देश्य से प्रसाद (तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक संवर्धन अभियान) योजना की शुरूआत की थी। इस योजना के तहत, पर्यटन मंत्रालय उक्त स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस मंत्रालय ने प्रसाद योजना के तहत 1621.14 करोड़ रु. की लागत से 46 परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है।

पर्यटन मंत्रालय द्वारा आंध्र प्रदेश में 03 परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई हैः 27.77 करोड़ रु., 43.08 करोड़ रु. और 54.04 करोड़ रु. की लागत से क्रमशः 'अमरावती में तीर्थ सुविधाओं का विकास', 'श्रीशैलम मंदिर का विकास' और 'सिंहाचलम में श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी वारीदेवस्थानम में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास'। अमरावती और श्रीशैलम

में परियोजनाएं भौतिक रूप से पूरी हो चुकी हैं और सिम्हाचलम में प्रशाद परियोजना के लिए 13.69 करोड़ रु. की राशि जारी कर दी गई है।

इसके अतिरिक्त, प्रसाद योजना के तहत विकास के लिए 02 स्थलों यथा 'अन्नावरम, काकीनाड़ा जिला' और 'वेदागिरी लक्ष्मी नरसिम्हास्वामी मंदिर, नेल्लोर जिला' को भी चिह्नित किया गया है।

स्वदेश दर्शन योजना के तहत कुल 03 परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई हैः आंध्र प्रदेश में 67.83 करोड़ रु., 49.55 करोड़ रु. और 35.24 करोड़ रु. की लागत से क्रमशः 'काकीनाड़ा - होप द्वीप - कोरिंगा वन्यजीव अभयारण्य - पासरलापुड़ी - अड्डुरू - एस. यानम - कोटिपल्ली का विकास', 'नेल्लोर - पुलिकट झील - उब्बलमड्डुगु जल प्रपात - नेलपट्टू - कोठकोड्डुरू - मायपाडु - रामतीर्थम - इस्कापल्ली का विकास' और 'बौद्ध परिपथ का विकासः शालीहुंडम - बाविकोंडा - बोज्जनाकोंडा - अमरावती - अनुपु'। इसके अतिरिक्त, स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत 02 गंतव्यों यथा गंडीकोटा और अराकू - लांबासिंगी को विकास के लिए चिह्नित किया गया है। इनमें से अराकू - लांबासिंगी को स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत 29.87 करोड़ रु. की लागत से स्वीकृति प्रदान की गई है।

*****